भारत सरकार

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या: 637
दिनांक 25 जुलाई, 2024

पेट्रोल की कीमतों को नियंत्रण मुक्त करना

†637. श्री गोडम नागेश :

क्या **पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या देश में पेट्रोल की कीमतों को नियंत्रण मुक्त करने का उद्देश्य ईंधन की खुदरा कीमतों को बाजार से जोड़ना था और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या यह आम आदमी के लिए उपयोगी है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) विगत दो वर्षों के दौरान कीमतों को समायोजित करने में कितना समय लगा; और

(घ) क्या इस वर्ष ब्रेंट क्रूड की कीमत में गिरावट आई है और यदि हां, तो इस प्रयोजनार्थ फार्मूले के अनुसार मूल्यों में तदनुरूपी कमी और वास्तविक रूप से कितनी कमी की गई है?

उत्तर
पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्री सुरेश गोपी)

(क) से (घ): पेट्रोल के मूल्य दिनांक 26.06.2010 से बाजार निर्धारित हैं। तब से तेल विपणन कंपनियां (ओएमसीज) पेट्रोल के मूल्य निर्धारण के संबंध में उपयुक्त निर्णय लेती हैं। बाज़ार निर्धारित मूल्य, ईंधन खुदरा क्षेत्र में उच्चतर निवेश आकर्षित करने और बाज़ार प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देकर ओएमसीज को लागत कम करने, दक्षता और सेवा मानकों में सुधार करने हेतु प्रोत्साहित करने के लिए है। इससे ईंधन संरक्षण को भी बढ़ावा मिलता है और ये उपभोक्ताओं को ईंधन दक्षता पद्धतियां अपनाने के लिए प्रोत्साहित करता है इससे सरकार को भी आम आदमी के लिए सामाजिक क्षेत्र की योजनाओं हेतु और अधिक निधियां आबंटित करने में मदद मिलती है।

भारत अपनी कच्चे तेल की जरूरतों के 85% से अधिक का आयात करता है। कच्चे तेल के अंतर्राष्ट्रीय मूल्य मांग-आपूर्ति, भू-राजनैतिक घटकों तथा अन्य बाजार दशाओं जैसे अनेक घटकों पर निर्भर करते हुए अलग-अलग होते हैं। कच्चे तेल की भारतीय बास्केट के माध्यम से भारत से संबंधित कच्चे तेल के मूल्यों की निगरानी की जाती है। कच्चे तेल के मूल्य (भारतीय बास्केट) 59.35 डॉलर/बीबीएल (अगस्त 2019) से बढ़कर 112.87 डॉलर/बीबीएल (मार्च 2022) तथा आगे और अधिक बढ़ कर 116.01 डॉलर/बीबीएल (जून 2022) हो गए और अत्यधिक अस्थिर बने हुए हैं। चालू वर्ष में ये मार्च, 2024 में 84.49 डॉलर/बीबीएल से बढ़कर अप्रैल 2024 में 89.46 डॉलर/बीबीएल हो गए और जुलाई, 2024 (दिनांक 19.07.2024 तक) में घटकर 85.89 डॉलर/बीबीएल हो गए हैं। भारत विश्व की अकेली ऐसी प्रमुख अर्थव्यवस्था है जिसमें पेट्रोल और डीजल के मूल्य हाल के वर्षों में कम हुए हैं।

नवंबर 2021 और अप्रैल 2024 के बीच कुछ प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में पेट्रोल और डीजल के मूल्यों में बदलाव इस प्रकार हैं:

	नवंबर 2021 और अप्रैल 2024 के बीच मूल्यों में % बदलाव	
देश	**पेट्रोल**	**डीजल**
भारत (दिल्ली)	-13.65	-10.97
फ्रांस	22.19	20.17
जर्मनी	15.28	16.47
इटली	14.82	17.38
स्पेन	16.58	18.14
यूके	5.79	9.56
कनाडा	22.07	22.24
यूएसए	19.08	20.25

स्रोत: पेट्रोलियम योजना एवं विश्लेषण प्रकोष्ठ

नवंबर 2021 और अप्रैल 2024 के बीच कुछ पड़ोसी देशों की अर्थव्यवस्थाओं में पेट्रोल और डीजल के मूल्यों में बदलाव

	नवंबर 2021 और अप्रैल 2024 के बीच मूल्यों में % बदलाव	
देश	**पेट्रोल**	**डीजल**
भारत (दिल्ली)	-13.65	-10.97
पाकिस्तान	44.98	43.65
बांग्लादेश	22.01	40.24
श्रीलंका	75.54	142.91
नेपाल	31.08	35.70

स्रोत: पेट्रोलियम योजना एवं विश्लेषण प्रकोष्ठ

भारत सरकार ने आम नागरिकों को उच्च अंतरराष्ट्रीय मूल्यों से बचाने के लिए कई अन्य कदम भी उठाए, जिनमें कच्चे तेल की आयात बास्केट में विविधता लाना, पेट्रोलियम उत्पादों के निर्यात पर अप्रत्याशित कर, घरेलू बाजार में पेट्रोल और डीजल की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए सार्वभौमिक सेवा दायित्व के प्रावधानों को लागू करना, पेट्रोल में एथेनॉल का मिश्रण बढ़ाना आदि शामिल थे।

केंद्र सरकार ने पेट्रोल पर दो बार नवंबर 2021 और मई 2022 में केंद्रीय उत्पाद शुल्क में कुल 13 रुपए/लीटर की कमी की, जिसका लाभ पूरी तरह से उपभोक्ताओं को दे दिया गया था। कुछ राज्य सरकारों ने भी नागरिकों को राहत देने के लिए राज्य वैट दरें कम कर दीं। मार्च, 2024 में,ओएमसीज ने भी पेट्रोल के खुदरा मूल्यों में 2 रुपये प्रति लीटर की कमी की। दिल्ली में पेट्रोल का वर्तमान आरएसपी 94.72 रुपए प्रति लीटर है।

****